

ऐतिहासिक धरोहर ताज महल का मध्ययुगीन इतिहास : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन



पत्राचार लेखक

डॉ. नीता यादव

एसिस्टेंट प्रोफेसर

इतिहास विभाग

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी (उ० प्र०)

सह-लेखक

दुर्गेन्द्र प्रताप सिंह

शोधार्थी

इतिहास विभाग

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी (उ० प्र०)

प्रस्तावना

भारत में ताजमहल एक सुंदर और सबसे आकर्षक ऐतिहासिक जगह है। यह भारत का एक सांस्कृतिक स्मारक है, यह भारतीय और विदेशियों के आकर्षण का केन्द्र है। ताजमहल को भारत में प्रेम के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ताजमहल को शाहजहां ने अपनी रानी मुमताज महल की याद में वर्ष 1631 ई. में बनवाया था। ताजमहल भारत में आगरा, उत्तर प्रदेश में यमुना नदी के किनारे पर स्थित है।

यह आगरा किले से कम से कम 2.5 किमी की दूरी पर स्थित है। यह सफेद संगमरमर का प्रयोग करके बनाया गया है, जो इसे आकर्षक और अद्भुत रूप देता है। यह विश्व के सबसे महान और आकर्षक स्मारकों में से एक है, जो विश्व के सात आश्चर्यों में शामिल है। यह बहुत बड़े क्षेत्र में आमने-सामने बहुत सी हरियाली, पीछे की ओर एक नदी का किनारा, एक झील और एक लॉन को लिए हुए है। ताजमहल नाम सुनते ही शाहजहां और मुमताज की याद आज जाती है। ताजमहल भारत में सबसे लोकप्रिय ऐतिहासिक स्मारक है। ऐतिहासिक स्मारक होने के कारण सभी को इसके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। इस लेख से आपको ताजमहल को और अच्छे से जानने में सहायता प्राप्त होगी।

ताजमहल कब और क्यों बनवाया गया

ताजमहल 17वीं शताब्दी में, मुगल सम्राट शाहजहां के द्वारा बनवाया गया। यह उसने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया था। वह उसकी तीसरी पत्नी थी, जिसे वह बहुत प्यार करता था। उसकी मृत्यु के बाद, राजा बहुत दुखी हो गया और बहुत सा धन, जीवन और समय खर्च करने के द्वारा ताजमहल का निर्माण कराया था।

वह अपनी पत्नी की याद में आगरा के किले से प्रतिदिन ताजमहल को देखा करता था। यह मुगल कालीन स्थापित्व कला है और भारतीय, इस्लामिक, मुस्लिम, परसी कला आदि के मिश्रण के द्वारा बहुत सुन्दरता से बनाया गया है। यह माना जाता है कि शाहजहां स्वयं के लिए ऐसी ही काले रंग की कब्र का निर्माण कराना चाहता था हालांकि, वह अपने इस विचार को कार्य रूप में बदलने से पहले से ही मर गया। उसकी मृत्यु के बाद उसे ताजमहल में ही अपनी पत्नी के बराबर में दफन कर दिया गया।

ताजमहल – सात आश्चर्यों में से एक

वैसे तो भारत में बहुत से ऐतिहासिक स्मारक हैं, परन्तु ताजमहल उन सब में से सबसे अद्वितीय है। यह एक महान कलात्मक आकर्षण है, जो हर साल, बहुत से लोगों के मन को इसे देखने के लिए खींच लाता है। यह भारत का सबसे आकर्षक स्मारक है, ताजमहल और आगरा के किले को यूनेस्को के द्वारा विश्व विरासत है, ताजमहल और आगरा के किले को यूनेस्को के द्वारा विश्व विरासत के रूप में चिन्हित किया गया है और 2007 में इसे दुनिया के सात अजूबों में चुना गया।

ताजमहल शाहजहां के प्रेम का प्रतीक है। इसे रबिन्द्रनाथ टैगोर ने “संगमरमर का एक स्वप्न” कहा है। 2007 से अब तक इसे सात अजूबों की श्रेणी से हटाया नहीं गया है। दुनिया के बड़े-बड़े इंजीनियर इसकी बनावट को देख कर दंग रह जाते हैं।

ताजमहल का निर्माण

इसे महान मुगल सम्राट, शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में उसकी मृत्यु के बाद बनवाया था। यह माना जाता है कि वह अपनी पत्नी को बहुत प्यार करता था और उसकी मृत्यु के बाद बहुत दुखी हो गया था। उसने बिना भोजन और पानी के रहना शुरू कर दिया था।

उसने अपनी पत्नी की सभी यादों को अपनी नजरों के सामने रखने का निर्णय लिया, तब उसने आगरा के किले के सामने अपने आन्तरिक प्रेम की याद में ताजमहल का निर्माण कराया। वह आगरा के किले से नियमित रूप से ताजमहल को देखा करता था और अपनी पत्नी को याद करता था। ताजमहल का निर्माण कराने में लगभग 22 वर्षों का समय लगा, और इसे बनाने में लगभग 20,000 कारीगरों ने अपना योगदान दिया था। इसे बनवाने के बाद शाहजहां ने सभी कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे क्योंकि वह नहीं चाहता था कि ताजमहल की तरह कोई और इमारत बने।

ताजमहल की सुंदरता

ताजमहल के आस-पास का वातावरण बहुत ही प्राकृतिक और आकर्षक है। यह उत्तर प्रदेश में, आगरा शहर में यमुना नदी के किनारे पर स्थित है। ताजमहल कई कलाकारों और कारीगरों के विचारों के द्वारा शाही कलाकृतियों का प्रयोग करके बनाया गया है।

इसके परिसर को सजावटी घास और पेड़ों के द्वारा और भी अधिक सुंदर बनाया गया है। ताजमहल की इमारत के सामने कुछ आकर्षक पानी के फव्वारे बनाए गए हैं। चांदनी रात में ताजमहल की परछाई जब यमुना के पानी पर पड़ती है तो इसकी सुंदरता में चार चांद लग जाते हैं। ताजमहल की अद्भुत सुंदरता के कारण ही इसे सात अजूबों में स्थान मिल पाया है।

ताजमहल की ऐतिहासिक कथा

ताजमहल मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी पत्नी के प्रति प्रेम और लगाव का प्रतीक है। इसका निर्माण सफेद संगमरमर और महंगे पत्थरों के प्रयोग के साथ ही दीवारों पर

बहुत खूबसूरती से नक्काशी करके किया गया है। शाहजहां ने ताजमहल का निर्माण करने के लिए दुनिया के सबसे अच्छे कारीगरों को बुलाया था। इसके तैयार होने में बहुत सा धन और समय लगा। यह भी माना जाता है कि उसने लगभग सौ से भी अधिक डिजाइनों को इंकार कर दिया था और अन्त में इसे स्वीकृति दी। ताजमहल के चारों कोनों पर चार आकर्षक मीनारें हैं। उन्हें बहुत ही खूबसूरती से बनाया गया है और वे थोड़ी सी बाहर की ओर झुकी हैं ताकि, भविष्य में किसी भी प्राकृतिक आपदा में वे ताजमहल की इमारत को सुरक्षित कर सकें।

मुमताज महल की परसिया देश की राजकुमारी थी। मुमताज महल के एक सिपाही से शादी की थी जो शाहजहां की सेना में भर्ती था। शाहजहां मुमताज महल से बहुत प्यार करते थे इसलिए उन्होंने उनके पहले पति की हत्या करवा दी थी। बाद में मुमताज महल ने मुगल शासक शाहजहां से निकाह किया था। मुमताज महल शाहजहां की सबसे प्रिय बेगम थी। मुमताज महल ने सन् 1631 में 37 वर्ष की उम्र में अपनी 14 वीं संतान गौहरा बेगम को जन्म देते वक्त अपना दम तोड़ा था।

ताजमहल का निर्माण मुगल शासक शाहजहां ने अपनी मुमताज महल की याद में करवाया था। ताजमहल को मुमताज का मकबरा के नाम से भी जाना जाता है। सन् 1631 के बाद ही शाहजहां ने आधिकारिक रूप से ताजमहल के निर्माण की घोषणा की थी और 1632 में ताजमहल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था। ताजमहल के निर्माण में बहुत समय लगा था। इसके सभी पहलुओं के साथ इसका निर्माण कार्य 1653 तक पूरा किया जा चुका था।

ताजमहल का निर्माण 320 लाख रूपए की लागत में हुआ था। ताजमहल का निर्माण करने के लिए 20000 कारीगरों ने मुगल शिल्पकार उस्ताद अहमद लाहौरी के अधीन कार्य किया था। ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

ताजमहल विश्व धरोहर के रूप में पूरे विश्व के अति-उत्तम मानवीय कृतियों में से एक कहा गया है। इस विश्व धरोहर कृति के बारे में ऐसा कहा जाता है कि इसका निर्माण होने के बाद शाहजहां ने अपने सभी कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ऐसा इसलिए किया



गया था क्योंकि शाहजहां यह नहीं चाहते थे कि ऐसी कोई भी दूसरी स्मारक बने। ऐसा भी माना जाता है कि शाहजहां काले रंग का ताजमहल भी बनवाना चाहता था लेकिन इससे पहले शाहजहां के बेटे औरंगजेब ने उन्हें कैद कर लिया था, और शाहजहां वहीं से ताजमहल को निहारते रहते थे।

ताजमहल की संरचना तथा प्रारूप

ताजमहल की निर्माण कला का आधार परसिया राजवंश की कला तथा बहुत से मुगल भवन गुर-ए-आमिर, हुमायूं का मकबरा, इतमादूद-दौलाह का मकबरा और शाहजहां की दिल्ली की जामा मस्जिद जैसे भवन हैं। मुगल शासन काल के दौरान लगभग सभी भवनों के निर्माण में लाल पत्थरों का प्रयोग किया जाता था लेकिन ताजमहल के निर्माण के लिए शाहजहां ने सफेद संगमरमर को चुना था। इन सफेद संगमरमर पर कई प्रकार की नक्काशी तथा हीरे जड़ कर ताजमहल की दीवारों को सजाया गया था। ताजमहल भारत के उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में यमुना किनारे निर्मित है। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बना गया था। ताजमहल को बनाने के लिए 28 प्रकार के पत्थरों का भी प्रयोग किया गया था। दुनिया भर से कारीगरों को चुन-चुन कर लाया गया था।

ताजमहल के विभिन्न हिस्से

वैसे तो पूरा ताजमहल ही अद्भुत सुंदरता का नमूना है परन्तु ताजमहल के निर्माण में सबसे मुख्य मुमताज महल का मकबरा है। इसके मुख्य कक्ष में शाहजहां और मुमताज महल की नकली कब्र मौजूद हैं। इन कब्रों को बहुत ही अच्छे ढंग से सजाया गया है।

शाहजहां और मुमताज की असली कब्र सबसे निचले तल पर स्थित है। मुमताज महल के मकबरे को बड़े-बड़े सफेद संगमरमर से बनाया गया है। मुमताज की कब्र के पत्थरों पर कुरान की आयते लिखी गई हैं जबकि शाहजहां की कब्र पर कोई आयते नहीं लिखी गई है। कहते हैं कि इसके निर्माण के लिए संगमरमर का पत्थर राजस्थान से लाया गया था। प्रतिदिन बीस हजार शिल्पी और मजदूर काम करते थे। इसके निर्माण में बाईस

वर्षों का समय लगा। इस मकबरे के ऊपर बहुत बड़ा गुंबद है जो इसकी शोभा को बढ़ाता है। मुमताज महल का मकबरा लगभग 41 एकड़ में फला हुआ है।

यह मकबरा चारों ओर से बगीचे से घिरा हुआ है। इसके तीन ओर से दीवार बनाई गई है। इस मकबरे की नींव वर्गाकार है और वर्गाकार के प्रत्येक किनारे 55 मीटर के हैं। मकबरे की चार मीनार इमारत की चौखट बनती हुई दिखाई देती हैं।

मुमताज महल के मकबरे के शिखर पर सफेद संगमरमर के गुंबद मौजूद है। यह गुंबद उल्टे कलश के जैसा शोभित है। गुंबद पर किरीट कलश स्थित है। यह कलश फारसी तथा हिन्दू वस्तु कला का मुख्य तत्व है। गुंबद को सहारा देने के लिए इसके चारों ओर गुंबद के आकार की छतरियां बनाई गई हैं। इनके आधार से मुमताज महल के मकबरे पर रोशनी पड़ती है।

1800 ई. में ताजमहल के गुंबद पर सोने का कलश बना हुआ था लेकिन अब इसे कांसे के द्वारा बनाया गया है। इस कलश के ऊपर चन्द्रमा की आकृति बनी हुई है, जिसकी ऊपरी आकृति स्वर्ग की ओर इशारा करती है। चन्द्रमा की आकृति और कलश की नोक मिल कर त्रिशूल का आकार बनाते हैं यह त्रिशूल हिन्दू मान्यता के भगवान शिव के चिन्ह को दर्शाता है।

ताजमहल के चारों कोनों पर 40 मीटर ऊंची मीनारें हैं। इन चारों मीनारों का निर्माण इस प्रकार से किया गया है कि ये चारों मीनार हल्की सी बाहर की ओर झुकी हुई हैं। इन मीनारों के बाहर की तरफ झुकाव का यह तर्क निकाला गया कि इमारत के गिरने की स्थिति में ये मीनारें बाहर की ओर गिरेगी जिससे मुख्य ताजमहल की इमारत को कोई हानि नहीं पहुंचेगी।

उपसंहार

ताजमहल पूरे विश्व में सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल है। यह आगरा में यमुना नदी के दाहिने तट पर स्थित है। सफेद संगमरमर से निर्मित ताजमहल का सौंदर्य चांदनी रात में सबसे ज्यादा होता है। ताजमहल पूर्णिमा की रात चन्द्रमा की किरणों के साथ चमकता



दिखाई देता है। इसके बाहर बहुत ऊंचा और सुन्दर दरवाजा है। वास्तव में ताजमहल देश की अद्भुत रचना है।

इसकी गणना संसार के 7 अजूबों में की जाती है। भारतीय ही नहीं अन्य देशों के लोग भी इसकी सुंदरता को देख के मुग्ध हो जाते हैं। ताजमहल के सौन्दर्य का वर्णन शब्दों में करना बहुत ही कठिन है। ताजमहल हर साल लगभग सात-आठ लाख पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ताजमहल भारत सरकार का पर्यटन से होने वाली आय का मुख्य स्रोत है। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम कम से कम प्रदूषण करें जिससे दुनिया के सात अजूबों में सम्मिलित इस अजूबे को बचाया जा सके। सरकार को भी इसकी सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए।



संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. ताजमहल, राष्ट्रीय पोर्टल विषयवस्तु प्रबंधनद ल, मूल से 24 अगस्त 2011 को पुरालेखित, अभिगमन तिथि 24 अगस्त 2011
2. टाइल आकार में, अर्थात् संगमरमर की छोटी छोटी ईंट रूपी आयताकार टाइलों से ढका है।
3. "युनेस्को सलाहकार संस्था ऑकलन" (PDF). मूल से 19 जून 2009 को पुरालेखित (PDF). अभिगमन तिथि 15 अप्रैल 2008.
4. "466 कलोग्राम सोने का था ताजमहल का कलश, तांबे में बदल गया ये कैसे, कौन ले गया वो सोना?". jagran.com. अभिगमन तिथि 24 सितंबर 2020.
5. ↑ टिल्टसन, जी.एच.आर. (१९९०). आर्कटेक्चरल गाइड टू मुगल इण्डिया, क्रॉनिकल बुक्स
6. ↑ "ताजमहल सुलेखन". मूल से 1 दिसंबर 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 15 अप्रैल 2008.
7. ↑ कोच, पृ.१००
8. ↑ **O Soul, thou art at rest. Return to the Lord at peace with Him, and He at peace with you.** pbs.org Archived 2008-05-31 at the Wayback Machine
9. ↑ "taj-mahal-travel-tours.com". मूल से 24 मई 2012 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 15 अप्रैल 2008.
10. ↑ बेगले, वायन ई. "द मथ ऑफ द ताजमहल एण्ड अ न्यू थ्योरी ऑफ इट्स सम्बाँ लक मीनिंग". *द आर्ट बुलेटिन*. ६१ (१): १४.
11. ↑ राइट, कैरेन (12 जुलाई 2000), "मुगल्स इन द मूनलाइट - प्लैन्स टू रेस्टोर मेहताब बाग नियर ताज महल", *डिस्कवर*, मूल से 9 दिसंबर 2007 को पुरालेखित
12. ↑ ऐलन, जॉन. *द कैम्ब्रिज शॉर्टर हिस्ट्री ऑफ इण्डिया (अंग्रेजी में)*. कैम्ब्रिज: एस. चांद. पृ. २८८ पृष्ठ.
13. ↑ "The Taj by Jerry Camarillo Dunn Jr". मूल से 16 जून 2008 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 15 अप्रैल 2008.
14. ↑ कोच, पृ. १३९
15. ↑ परिसी मत अर्थात दीवारों से घिरी। पुराने नगर प्रायः दीवारों से घिरे होते थे, सुरक्षा कारणों से, जैसे क दिल्ली, आगरा, जयपुर, आदि।
16. ↑ Chaghtai Le Tadj Mahal p54; Lahawri Badshah Namah Vol.1 p403
17. ↑ "Dr. A. Zahoor and Dr. Z. Haq". मूल से 18 फरवरी 2017 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 15 अप्रैल 2008.



18. ↑ "Who designed the Taj Mahal". मूल से 18 अगस्त 2017 को पुराले खत. अ भगमन ति थ 15 अप्रैल 2008.
19. ↑ William J. Hennessey, Ph.D., Director, Univ. of Michigan Museum of Art. IBM 1999 WORLD BOOK
20. ↑ Marvin Trachtenberg and Isabelle Hyman. Architecture: from Prehistory to Post-Modernism. p223
21. ↑ ISBN 964-7483-39-2
22. ↑ "10877". मूल से 5 जून 2008 को पुराले खत. अ भगमन ति थ 15 अप्रैल 2008.
23. ↑ अनंत प्रकाश (११ जुलाई २०१८). "ताजमहल को प्रदूषण से बचाना इतना मुश्किल क्यों है". बीबीसी. मूल से 18 जुलाई 2018 को पुराले खत. अ भगमन ति थ २५ फरवरी २०२०.
24. ↑ Koch, p.120
25. ↑ Koch, p.254
26. ↑ Koch, p.201-208
27. ↑ Travel Correspondent (9 जुलाई 2007). "New Seven Wonders of the World announced" (अंग्रेजी में). The Telegraph. मूल से 25 अगस्त 2011 को पुराले खत. अ भगमन ति थ 6 जुलाई 2007.
28. ↑ "संग्रहीत प्रति". मूल से 14 जनवरी 2008 को पुराले खत. अ भगमन ति थ 15 अप्रैल 2008.